Bachelor of Vocation

(Accounting, Taxation and Auditing) Programme

बेचलर ऑफ वोकेशन

(लेखांकन, कराधान एवम अंकेक्षण) प्रोग्राम

University College of Commerce and Management Studies

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur (Rajasthan)

NAAC Accredited 'A' Grade State University

प्रस्तावना

बी.वोक. (बैचलर ऑफ वोकेशन) एक नियमित 3 साल की डिग्री का विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा शुरू किया गया कार्यक्रम है। अर्थव्यवस्था की उभरती जरूरतों के साथ उच्च शिक्षा को संरेखित करने के लिए सरकार द्वारा की गई एक नयी पहल है| **बी.वोक कोर्स** विभिन्न उद्योगों से संबंधित लेखांकन कौशल की आवश्यकताएं को पूरा करने के उद्देश्य से प्रारम्भ किया गया है|

यह पाठ्यक्रम छात्रों को पर्याप्त कौशल प्रदान करने, काम करने के लिए तैयार करने, स्नातकों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने, एवं उन्हें वैश्विक कार्यबल का हिस्सा बनाने में मदद करता है। फील्ड विजिट, इंटर्नशिप, उद्योग विशेषज्ञों से अतिथि व्याख्यान, प्रायोगिक शिक्षा इस पाठ्यक्रम के कुछ मुख्य आकर्षण हैं| पाठ्यक्रम कई निकास बिंदु प्रदान करता है| यदि छात्र एक वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात कोर्स छोड़ता है तो उसे लेखांकन में डिप्लोमा दिया जाता है| दो वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात कोर्स छोड़ता है तो उसे एडवांस डिप्लोमा दिया जाता है|और तीन वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर उसे डिग्री दी जाती है| किसी भी संकाय के 12 वी कक्षा पास छात्र इस पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं। यह कोर्स व्यापक रूप से भारत में विश्वविद्यालयों द्वारा मान्यता प्राप्त है। लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग , मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने **बी.वोक (लेखांकन, कराधान एवं अंकेक्षण) का** पाठ्यक्रम 2016 में विकसित किया है| हमारे सर्वोत्तम ज्ञान के आधार पर अभी तक

भारत में अन्य कोई भी विश्वविद्यालय कोर्स **बी.वोक** कोर्स **लेखांकन, कराधान एवं अंकेक्षण के साथ** नहीं चला रहे हैं। यह अग्रणी है| लेखा एवं व्यवसाय सांख्यिकी विभाग द्वारा उठाया गया यह अग्रणी कदम है। **बी.वोक (लेखांकन, कराधान एवं अंकेक्षण)** कार्यक्रम को सफलतापूर्वक जुलाई 2016 से चलाया जा रहा है| लेखांकन, कराधान **एवं अंकेक्षण विषयों में** वांछित लक्ष्यो को प्राप्त करने के लिए छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान को भी पढ़ाया जाता है।

उद्देश्य

1. स्नातक स्तर पर व्यवहारिक लेखांकन कौशल और सामान्य लेखांकन शिक्षा सामग्री का विवेकपूर्ण मिश्रण प्रदान कराना|
2. छात्रों को लेखांकन , कराधान एवं अंकेक्षण से सम्बन्धित पर्याप्त ज्ञान एवं कौशल है इसे सुनिश्चित करना ताकि इस कार्यक्रम के किसी भी स्तर पर छात्र उद्योगों में कार्य करने के लिए तैयार हो सके |
3. कोर्स के दोरान विविध निकास बिंदु प्रदान कर छात्रों को कर्यक्रम में लचीलापन प्रदान करना |

विस्तृत कोर्स पाठ्यक्रम

1. प्रवेश की पात्रता

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान या समकक्ष अन्य बोर्ड से उच्च माध्यमिक परीक्षा(10+2)में कुल प्राप्तांक कम से कम 48 फीसदी अंक से उत्तीर्ण अभ्यर्थी वरीयता के आधार पर बी.वॉक **(लेखांकन, कराधान एवं अंकेक्षण) कार्यक्रम** में प्रवेश के लिए पात्र होंगे|

2. अध्ययन का पाठ्यक्रम

बी.वॉक **(लेखांकन, कराधान एवं अंकेक्षण) कार्यक्रम**का पाठ्यक्रम सामान्य शिक्षा और कौशल विकास घटकों का एक उपयुक्त मिश्रण है। कुल 31 पाठ्यक्रम मे से 18 पाठ्यक्रम पूर्णरूपेण कौशल आधारित है| जिनका अध्ययन-अध्यापन कंप्यूटर के माध्यम से होता है| ये पूर्णतया प्रैक्टिकल है| शेष 13 पाठ्यक्रम सामान्य शिक्षा के पेपर हैं। कोर्स के पाठ्यक्रम को निम्नलिखित तालिका 1में दिया गया है|

तालिका 1: कोर्स के पाठ्यक्रम

सेमेस्टर	पेपर	पाठ्यक्रम की नामावली	क्रेडिट	परीक्षा और अधिकतम अंक
प्रथम	**सामान्य शिक्षा पेपर**			
	101	वित्तीय लेखांकन	6	आन्तरिक 20 अंक बाहरी 80 अंक
	102	व्यावसयिक सांख्यिकी : भाग -1	6	
कौशल विकास पेपर*				
	103	व्यावहारिक कंप्यूटर (हार्डवेयर)	6	बाहरी प्रैक्टिकल 100 अंक
	104	आधारभूत व्यावहारिक व्यावसयिक लेखांकन	6	
	105	माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस लैब -1	6	

अनिवार्य पेपर				
	106	पर्यावरण अध्ययन	4	बाहरी 100 अंक
द्वितीय	**सामान्य शिक्षा पेपर**			
	201	व्यावसयिक सांख्यिकी : भाग – 2	6	आन्तरिक 20 अंक बाहरी 80 अंक
	202	अंग्रेजी में भाषा कौशल	6	
कौशल विकास पेपर*				
	203	व्यावसयिक सांख्यिकी में एक्सेल का उपयोग	6	बाहरी प्रैक्टिकल 100 अंक
	204	व्यावहारिक व्यावसायिक सम्प्रेषण एवं सॉफ्ट स्किल्स	6	
	205	माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस लैब -2	6	
	अहर्क (क्वालीफाइंग) पेपर			
	206	सामान्यहिंदी	2	बाहरी 100 अंक
तृतीय	**सामान्य शिक्षा पेपर**			
	301	आयकर: भाग - प्रथम	6	आन्तरिक 20 अंक बाहरी 80 अंक
	302	वस्तु एवं सेवा कर: भाग- प्रथम	6	
कौशल विकास पेपर*				
	303	व्यावहारिक आयकर: भाग-1	6	बाहरी प्रैक्टिकल 100 अंक
	304	एडवांस्डमाइक्रोसॉफ्ट एक्सेल	6	
	305	व्यावहारिक प्रपत्रीकरण	6	
	अहर्क (क्वालीफाइंग) पेपर			
	306	सामान्य अंग्रेजी	2	बाहरी 100 अंक
चर्तुथ	**सामान्य शिक्षा पेपर**			
	401	आयकर: भाग- द्वितीय	6	आन्तरिक 20 अंक बाहरी 80 अंक
	402	वस्तु एवं सेवा कर : भाग-2	6	
कौशल विकास पेपर*				
	403	व्यावहारिक आयकर: भाग -2	6	बाहरी प्रैक्टिकल 100 अंक
	404	व्यावहारिकवस्तु एवं सेवा कर	6	
	405	व्यावहारिक टी.डी.एस. एवं अग्रिम कर	6	

पंचम	**सामान्य शिक्षा पेपर**			
	501	लागत लेखांकन	6	आन्तरिक 20 अंक बाहरी 80 अंक
	502	वित्तीय प्रबंध	6	
कौशल विकास पेपर*				
	503	व्यावहारिक अकेक्षण एवं लागत लेखांकन	6	बाहरी प्रैक्टिकल 100 अंक
	504	एडवांस्ड व्यावहारिक व्यावसयिक लेखांकन	6	
	505	वित्तीय प्रबन्ध में एक्सेलका उपयोग	6	
षष्ट	**सामान्य शिक्षा पेपर**			
	601	अंकेक्षण	6	आन्तरिक 20 अंक बाहरी 80 अंक
	602	कॉरपोरेट एवं प्रबंध लेखांकन	6	
कौशल विकास पेपर*				
	603	इंडस्ट्रियल इंटर्नशिप	18	बाहरी 200 अंक
कुल क्रेडिट	कौशल विकास पेपर =108, अनिवार्य पेपर = 4, सामान्य शिक्षा पेपर =72अहर्क (क्वालीफाइंग) पेपर = 4 **कुल क्रेडिट =188**			

***** इन सभी पेपर को लेखांकन एवं अन्य सॉफ्टवेयर के माध्यम से कंप्यूटर पर पढाया जाता है| कोईपाठ्य पुस्तक इसके लिएनिर्धारित नहीं है|

नोट: कंप्यूटरके माध्यम से लेखांकन, कराधान एवं अंकेक्षण में आने वाली वास्तविक समस्याओं का हल करना सिखाया जाता है| और सेमेस्टर के अंत में कंप्यूटर पर व्यावहारिक परीक्षा ली जाती है जिनमे उत्तर पुस्तिकाओं को नहीं दिया जाता है। जिसका विस्तृत पाठ्यक्रमwww mlsu.ac.in वेबसाइट पर उपलब्ध है।

3. **क्रेडिट**

   एक क्रेडिट का आशय सिद्धांत, कार्यशाला / प्रयोगशाला और ट्यूटोरियल के लिए कुल 15 कालांश|एक कालांश 60 मिनट का होगा|

4. **उपस्थिति**

   सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पेपर को शामिल करते हुए प्रत्येक पेपर में कम से कम 75% उपस्थितिअनिवार्य है | यदि कोई छात्र उपर्युक्त निर्धारित उपस्थिति एक या एक से अधिक पेपर में नहीं रख पाता है तो उसे मुख्य एवं आन्तरिक परीक्षा में बैठने से रोका जायेगा|

5. माध्यम

शिक्षण और परीक्षा का माध्यम हिंदी और अंग्रेजी दोनों में है

6. अवार्ड के स्तर

वर्तमान पाठ्यक्रम में कई निकास बिंदु हैं। यदि कोई अभ्यर्थीपाठ्यक्रम को एक वर्ष के सफल समापन के बाद छोड़ देता है , तो उसे लेखांकन में डिप्लोमा के रूप में सम्मानित किया जाएगा| यदि कोई अभ्यर्थी दो साल पूरे करने के बाद कोर्स को छोड़ताहै , तो उसे लेखा और कराधान में एडवांस्ड डिप्लोमा के रूप में सम्मानित किया जायेगा। कोर्स के तीन साल पूर्णहोने पर, उन्हें बैचलर ऑफ वोकेशन (लेखांकन, कराधान एवं अंकेक्षण) डिग्री के रूप में सम्मानित किया जाएगा| यह तालिका 2 में उल्लेखित है।

तालिका 2 : निकासी बिंदु

अवार्ड के स्तर	सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर
डिप्लोमा(लेखांकन)	1 वर्ष
एडवांस्ड डिप्लोमा (लेखांकन एवं कराधान)	2 वर्ष
बी.वोक (लेखांकन, कराधान एवं अंकेक्षण)	3 वर्ष

7. परीक्षा की योजना

<u>सामान्य शिक्षा पेपर</u>

प्रत्येक सामान्य शिक्षा पेपर अधिकतम 100 अंको के होते है ।जिनको दोनों प्रारूप आन्तरिक एवं बाहरी रूप से मूल्यांकित किया जाता है| पेपर- वार अंको का वितरण निम्नलिखित है –

बाहरी परीक्षा को तीन खंडो में विभक्त किया है | प्रत्येक प्रश्न पत्र अधिकतम 80 अंक का है जिसकी संरचना इस प्रकार होगी : खंड अ अधिकतम 20 अंक जिसमे 10 सूक्ष्म प्रश्न(शब्द सीमा अधिकतम 50 शब्द), प्रत्येक प्रश्न 2 अंक | खंड ब अधिकतम 40 अंक जिसमे 10 लघुप्रश्न (शब्द सीमा अधिकतम 250 शब्द), प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न, जिसमे से एक प्रश्न करना अनिवार्य है , प्रत्येक प्रश्न के 8 अंक निर्धारित है |खंड स अधिकतम 20 अंक , जिसमे 5 निबंधात्मक प्रश्न (शब्दसीमा अधिकतम 300 शब्द), प्रत्येकइकाई से1 प्रश्न , जिसमे से 2 प्रश्न करना अनिवार्य है, प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित है | मुख्यपरीक्षाकी अवधि 3 घंटे होगी|

आतंरिक परीक्षा योजना

कुल आंतरिक मूल्यांकन (अधिकतम 20 अंक) अंकों का 50% (यानी 20 में से 10 अंक) लेखा और सांख्यिकी विभाग के द्वारा आयोजित एक घंटे की अवधि की वर्णनात्मक प्रकार की लिखित परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर प्रदान किया जाएगा। आन्तरिक परीक्षा में 5 अंको के 3 प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बनाये जाते है जिसमे से 2 प्रश्न करना अनिवार्य है | यदि कोई छात्र लिखित परीक्षा में बैठने से किसी वैध कारण से वंचित रहा गया है तो , विभाग 500 रूपये के शुल्क के साथ डिफाल्टर परीक्षा का आयोजन करेगा |

कुल आंतरिक मूल्यांकन अंकों का 50% (यानी 20 में से 10 अंक) प्रत्येकपेपर के असाइनमेंट, सेमिनार, प्रस्तुतीकरण/ मौखिक परीक्षा / समूह चर्चा में प्रदर्शन के आधार पर दिए जायेगे|

<u>कौशल विकास पेपर</u>

प्रत्येक **कौशल** विकास पेपर अधिकतम 100 अंक का होता है जिसको बाहरी विशेषज्ञ के द्वारा लेखांकन लेब में मूल्यांकन कर अंक प्रदान किये जाते है | मूल्यांकन में लिखित परीक्षा, वाइवा-वॉयस और कंप्यूटर पर व्यावहारिक शामिल हैं। परीक्षा की अवधि तीन घंटे है।

8. न्यूनतमउतीर्ण अंक

एक अभ्यर्थी को निम्न अंक उतीर्ण होने के लिए प्राप्त करना आवश्यक है

(1) प्रत्येक सैद्धान्तिक पेपर के आंतरिक और बाहरी अंकों के साथ-साथ प्रत्येक व्यावहारिक पेपर में कम से कम 25% अंक और सेमेस्टर के सभी पेपरों के कुल अंकों का कम से कम 36% अंक |

(2) एक अभ्यर्थी को अगले सेमेस्टर में पदोन्नत किया जा सकता है यदि उसने प्रत्येक पेपर में कम से कम 25% अंक प्राप्त किए हों,लेकिन कुल अंकों में 36% अंक हासिल करने में असफल रहा हो|

Introduction

B. Voc. (Bachelor of Vocation) is a regular 3 years degree programme launched by University Grant Commission (UGC). It is a new initiative of Government to align higher education with the emerging needs of the economy. B. Voc. course is introduced with an aim to incorporate the requirements of various industries related accounting skills into its curriculum. The course helps ensure students have adequate skills, make them work ready, enhance the employability of graduates, and thus make them part of the global workforce. Field visits, internships, guest lectures from industry experts, experimental leaning are some of highlights of this curriculum. B. Voc. Course offers multiple exit points. Students can leave at the end of the first year with a Diploma, at the end of the second year with an Advanced Diploma and at the end of the three years with a Degree. Students after standard 12^{th} in any discipline are eligible to apply for this course. This course widely recognised by the universities in India. Department of Accountancy and Business Statistics, MLSU has developed course curriculum of B. Voc. (ATA) programme in 2016. At the best of our knowledge no other university in India is running B. Voc. Programme with the specialization in accounting, taxation and auditing. This is the pioneer step taken by the Accountancy and Business Statistics Department. B. Voc. (ATA) has been successfully running since 1^{st} July 2016. To meet desired goal, subjects of accounting, taxation and auditing have been taught to students in theory as well as practical.

Objectives

1. To provide judicious mix of practical Accounting Skills and content of General Accounting Education at undergraduate level.
2. To ensure that students have adequate knowledge and skills relating to Accounting, Taxation and Auditing, so that they are ready to serve industry at each exit points of the programme.
3. To provide flexibility to students in terms of multiple exit points.

DETAILED COURSE CURRICULUM

1. Eligibility of Admission:

A candidate passing Senior Secondary Examination (10+2) from Board of Secondary Education Rajasthan or equivalent, securing at least 48 per cent marks in aggregate

shall be eligible for admission to the B. Voc. (Accounting, Taxation and Auditing) on merit basis.

2. Course of Study:

The curriculum of Bachelor of Vocation course is a suitable mix of general education and skill development components. Out of thirty papers, 1**3** papers belong to general education components while 18 papers belong to skill development components**.** Structure of course of study is given in the following table 1:

Table 1: Course Content

Semesters	**Paper**	**Nomenclatures of Course**	**Credit**	**Mode of Examination & Max. Marks**
First		**General Education Papers**		
	101	Financial Accounting	6	Internal 20
	102	Business Statistics: Part -1	6	External 80
		Skill Component Papers		
	103	Practical computer (Hardware)	6	External
	104	Basic Practical Business Accounting	6	Practical 100
	105	Microsoft Office Lab -1	6	
		Compulsory Paper		
	106	Environmental Studies	4	External 100
Second		**General Education Papers**		
	201	Business Statistics: Part – 2	6	Internal 20
	202	Language skills in English	6	External 80
		Skill Component Papers		
	203	Business Statistics Using Excel	6	External
	204	Practical Business Communication and Soft skills	6	Practical 100
	205	Microsoft Office Lab -2	6	
		Qualifying Paper		
	206	General Hindi	2	External 100
Third		**General Education Papers**		
	301	Income Tax: Part 1	6	Internal 20
	302	Goods and Service Tax: Part 1	6	External 80
		Skill Component Papers		
	303	Practical Income Tax: Part 1	6	External
	304	Advanced MS Excel	6	Practical 100
	305	Practical Documentation	6	
		Qualifying Paper		
	306	General English	2	External 100
Fourth		**General Education Papers**		
	401	Income Tax: Part 2	6	Internal 20
	402	Goods and Service Tax: Part 2	6	External 80
		Skill Component Papers		
	403	Practical Income Tax: Part 2	6	External
	404	Practical Goods and Service Tax	6	Practical 100
	405	Practical TDS and Advance Tax	6	

Semesters	Paper	Nomenclatures of Course	Credit	Mode of Examination & Max. Marks
Fifth		**General Education Papers**		
	501	Cost Accounting	6	Internal 20
	502	Financial Management	6	External 80
		Skill Component Papers		
	503	Practical Auditing and Cost Accounting	6	External
	504	Advanced practical Business Accounting	6	Practical 100
	505	Financial Management using Excel	6	
Sixth		**General Education Papers**		
	601	Auditing	6	Internal 20
	602	Corporate & Management Accounting	6	External 80
		Skill Component Papers		
	603	Industrial Internship	18	External 200
Total Credit: Skill Component =108 General education =72, Compulsory = 4, Qualifying Paper =4			**188**	

3. Credit

One credit would mean equivalent of 15 periods of 60 minutes each, for theory, workshop/labs and tutorials.

4. Attendance

A candidate shall be required to attend minimum 75% of the classes held in each paper including tutorial and practical, if any. A candidate failing to satisfy the above mentioned requirement of attendance in one or more papers shall be detained from appearing at the main and internal examination.

5. Medium

Medium of instruction and examination shall be both Hindi and English

6. Levels of Awards

There are several exit points in the present course. If a candidate quits the course after successful completion of one year, he or she shall be awarded as diploma in Accounting. If a candidate quits the course after completion of two years, he or she shall be awarded as Advance Diploma in Accounting and Taxation. On successful completion of entire three years, he or she shall be awarded as Bachelor of Vocation degree in Accounting, Taxation and auditing**. This is outlined in table 2.**

Table 2: Exit Points

Levels of Awards	Successful completion of
Diploma (Accounting)	One Year
Advanced Diploma (Accounting and Taxation)	Two Years
B. Voc. (Accounting, Taxation and Auditing)	Three Years

7. Scheme of Examination

General Education Papers

Each General Education Paper shall have maximum marks as 100, to be evaluated both internally and externally. Distribution of marks paper-wise shall be as follows

External Examination Scheme- For external examination shall have three sections. For a question paper carrying maximum 80 marks the structure will be as follows:
The first section, SECTION- A, carrying maximum 20 marks will have 10 short answer type (not exceeding 50 words each) questions. Each question will carry 2 marks. The second section, SECTION-B, carrying maximum 40 mark will have 10 medium answer type questions (which requires answers not exceeding 250 words), two from each unit. Out of which one from each unit must be attempted. Each question will carry 8 marks. The third section, SECTION- C, carrying maximum 20 marks will have 5 questions (which requires answers not exceeding 300 words), one from each unit out of which 2 questions are to be attempted. Each question will carry 10 marks. The duration of main examination shall be three hours.

Internal Examination Scheme-: -

50% of the total internal assessment marks (i.e. 10 out of 20 marks) for each theory paper will be awarded on the basis of the performance in the descriptive type written examination of one-hour duration conducted by the department of Accountancy and Statistics. There will be 3 questions each carrying 5 marks covering the entire syllabus out of which two questions must be answered. If a candidate fails to appear in the written examination of the internal assessment due to valid reasons, department may conduct defaulter's examination after collecting fee of Rs. 500/.

50% of the internal assessment (i.e. 10 out of 20) for each theory paper shall be awarded on the basis of the performance in the assignments/ seminars/presentations/ oral examination/ group discussion etc.

Skill Component Papers (Practical)

Each skill component Paper shall have maximum marks of 100 to be evaluated externally only in accounting lab. The evaluation may include written examination, viva-voce and practical on computer. The duration of examination shall be three hours.

8. **Minimum Passing Marks:** A candidate shall be required to obtain (i) at least 25% marks in the aggregate of internal and external marks of each theory paper as well as each practical paper and at least 36% marks of aggregate of all the papers (excluding qualifying papers) of the semester.

A candidate may be promoted to the next semester if he or she has secured at least 25% marks each papers but has failed to secure 36% marks in aggregate.

9. Use of Calculators-:

Candidates shall be permitted to use simple battery operated 12 digit 2 memory 6 functions noiseless and cordless calculators during examination.